

# डॉ. रोजर ग्रीन, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट, व्याख्यान 23, कट्टरवाद से इंजीलवाद तक

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अपने चर्च इतिहास पाठ्यक्रम, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट में हैं। यह सत्र 23 है, कट्टरवाद से इंजीलवाद तक।

कट्टरवाद, और हम इनके बारे में बात कर रहे हैं। तो, मैं बस एक मिनट में उन पर वापस आऊंगा। लेकिन शुक्रवार के लिए, मैं भक्ति के लिए कुछ पढ़ना चाहता हूँ। तो आज, क्योंकि यह रिफॉर्मेशन सम्मेलन है, मुझे पता है कि आप में से कुछ ने कल रात मार्क नोल को सुना, एक बहुत ही दिलचस्प व्यक्ति।

मेरा मतलब है, कल रात उन्होंने एक दिलचस्प तर्क दिया। इसलिए, क्योंकि हम इस सुधार सम्मेलन के बीच में हैं, मैंने सोचा कि मैं मार्टिन लूथर से पढ़ूं। यह एक ग्रंथ है जिसे उन्होंने 1520 में लिखा था।

तो, लूथर ने यह कहा: इसके अलावा, सभी प्रकार के कामों को अलग रखना, यहाँ तक कि चिंतनशील चिंतन, ध्यान और वह सब कुछ जो आत्मा कर सकती है, इससे कोई मदद नहीं मिलती। एक चीज़, और केवल एक चीज़, ईसाई जीवन के लिए आवश्यक है: धार्मिकता और स्वतंत्रता। वह एक चीज़ परमेश्वर का सबसे पवित्र वचन है, मसीह का सुसमाचार। जैसा कि मसीह यूहन्ना 11:25 में कहते हैं, मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।

जो मुझ पर विश्वास करता है, वह चाहे मर भी जाए, फिर भी जीवित रहेगा, यूहन्ना 8:36 में। इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करता है, तो तुम वास्तव में स्वतंत्र हो जाओगे। मत्ती 4:4 में, मनुष्य केवल रोटी से नहीं, बल्कि परमेश्वर के मुख से निकलने वाले प्रत्येक वचन से जीवित रहेगा। तो आइए हम इसे निश्चित और दृढ़ता से स्थापित मान लें कि आत्मा परमेश्वर के वचन के अलावा किसी और चीज़ के बिना काम चला सकती है और जहाँ परमेश्वर का वचन गायब है, वहाँ आत्मा के लिए कोई मदद नहीं है।

यदि इसमें परमेश्वर का वचन है, तो यह समृद्ध है और इसमें किसी चीज़ की कमी नहीं है। चूँकि यह जीवन, सत्य, प्रकाश, शांति, धार्मिकता, उद्धार, आनन्द, स्वतंत्रता, बुद्धि, शक्ति, अनुग्रह, महिमा और हर अतुलनीय आशीर्वाद का वचन है, यही कारण है कि पूरे भजन 119 में और कई अन्य स्थानों पर भविष्यवक्ता परमेश्वर के वचन के लिए तरसता है और आहें भरता है, और इसका वर्णन करने के लिए इतने सारे नामों का उपयोग करता है।

तो, मार्टिन लूथर से, यह उनके शब्द पर शब्द है, उनके शब्द पर शब्द, जैसा कि यह था। ठीक है, मैं आपको याद दिलाना चाहता था कि हम कहाँ हैं। हमने कट्टरवाद पर बहुत अच्छी नज़र डाली है।

हमने देखा है कि यह कैसे, आप जानते हैं, हमने ऐतिहासिक जड़ों को देखा है, और यह किससे प्रतिक्रिया कर रहा था, और यह कैसे आकार और रूप ले रहा था। लोगों को लगा कि स्कोप्स परीक्षण के बाद कट्टरवाद मर चुका है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि कट्टरवाद वास्तव में काफी समझदार था, भले ही यह संस्कृति को तुच्छ समझता था, यह संस्कृति के लिए सांस्कृतिक साधनों के साथ सेवा करने के बारे में काफी समझदार था, जैसे मीडिया का उपयोग, और इसी तरह। इसलिए, लोगों को पता चला कि कट्टरवाद मरा नहीं था।

तो, तीन परिणाम हैं, और मैं अभी पहले पर काम कर रहा हूँ। पहला है कट्टरवाद की आलोचना। तो, मैं अभी भी वहाँ हूँ क्योंकि हमने इसे पूरा नहीं किया है।

तो, किसी को मुझे बताना होगा कि हम कहाँ रुके थे। आत्म-आलोचनात्मक होने में असमर्थता या अनिच्छा, शास्त्र के प्रति अजीब दृष्टिकोण, दिखाया, क्या यहीं पर हम शास्त्र के प्रति अजीब दृष्टिकोण के साथ रुक गए? क्या हमने प्रेम के बजाय न्याय दिखाया? और मैंने कहा कि मैं प्रेम के बजाय न्याय करने जा रहा था, मैं उसी पर वापस आने वाला हूँ। स्वास्थ्य और धन के एक संक्षिप्त सुसमाचार का प्रचार करें।

क्या हम कट्टरपंथ की आलोचना के मामले में यहीं रुक गए हैं? आलोचनाएँ उन लोगों द्वारा की गईं जो वास्तव में इस परंपरा में पले-बढ़े थे, लेकिन उन्हें इससे दूर होने की ज़रूरत थी, लेकिन हम इसे बाद में देखेंगे। ठीक है, मान लीजिए कि मैं प्यार के बजाय न्याय के प्रदर्शन पर वापस आ रहा हूँ। मेरे पास एक उदाहरण है, लेकिन मैं, मैं अंत में उस पर वापस आऊँगा।

नंबर, एक और अनैतिहासिक है। कट्टरपंथ अक्सर, हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर, अनैतिहासिक था। यह ईसाई धर्म के महान इतिहास की समझ की कमी है।

और एक तरह की मान्यता, वास्तव में, मार्क नोल ने कल रात एक तरह से इसका उल्लेख किया, मुझे लगा, जब वह उभरते हुए चर्च के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन, ईसाई धर्म, कैथोलिक धर्म, रोमन कैथोलिक धर्म, पूर्वी रूढ़िवादी, प्रोटेस्टेंट परंपराओं की समृद्धि के महान और गौरवशाली समृद्ध इतिहास से अवगत नहीं होना चाहिए। कट्टरपंथ अक्सर अनजान था। यह अनैतिहासिक था।

ऐसा लगा जैसे भगवान ने शुरुआत की हो; भगवान ने आज सुबह मुझसे बात की। मैं आज रात आपसे बात कर रहा हूँ। हम आज रात अपना चर्च बना रहे हैं।

ऐसा नहीं है। इसका पूरे व्यापक ऐतिहासिक चर्च से कोई संबंध नहीं हो सकता है, लेकिन हम इसे शुरू कर रहे हैं। और इसलिए अक्सर इस तरह के अनैतिहासिक, कट्टरवाद के दृष्टिकोण। तो, ठीक है।

कट्टरपंथ की एक और आलोचना जो इन लोगों ने की, वह यह है कि कट्टरपंथ अक्सर सुपरस्टार के इर्द-गिर्द ही बना होता है। कट्टरपंथ में व्यक्तित्व का एक प्रकार का पंथ था। और मुझे कहना होगा कि कभी-कभी, अभी भी उस प्रकार के व्यक्तित्व के पंथ का प्रचार होता है।

और आप कुछ टेलीविज़न प्रचारकों को देखें, सभी को नहीं, लेकिन आप कुछ टेलीविज़न प्रचारकों को देखें, और सब कुछ उनके और उनके व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द घूमता है। जब किसी कारण से उनके व्यक्तित्व को हटा दिया जाता है, तो मुझे जिम और टैमी बेकर की याद आती है। मैं जेरी फालवेल के बारे में नहीं, बल्कि लुइसियाना के एक अन्य प्रचारक के बारे में सोचता हूँ।

लेकिन वैसे भी, जब उन्हें काम से हटा दिया जाता है, तो सब कुछ ढह जाता है क्योंकि सब कुछ उनके इर्द-गिर्द और उनके सुपरस्टार मूल्य और इसी तरह के अन्य पहलुओं के इर्द-गिर्द बनाया गया था। तो यह एक समस्या बन जाती है। जिमी स्वैगार्ट वह है जिसके बारे में मैं सोच रहा था।

जिमी स्वैगार्ट। अब, आप इन नामों को नहीं जानते। आप जिम और टैमी बेकर और जिमी स्वैगार्ट को जानने के लिए बहुत छोटे हैं।

लेकिन जब इन सुपरस्टार्स को किसी न किसी कारण से काम से हटा दिया गया, तो उनका पूरा उद्यम ही खत्म हो गया क्योंकि यह सब उनके इर्द-गिर्द ही बना था। और यह कट्टरपंथ के लिए समस्या बन जाता है। अक्सर पूरे चर्च की निंदा की जाती है।

मैं, शायद मैं भी उस पर वापस आऊंगा, लेकिन यह अक्सर पूरे चर्च को दोषी ठहराता है। कई कट्टरपंथियों के लिए पूरा संप्रदाय ही धर्मत्यागी है। यह सच था।

यह अभी भी कुछ कट्टरपंथियों के बीच सच है। सभी संप्रदाय धर्मत्यागी हैं। इसलिए, अक्सर, अक्सर, कोई सामाजिक जिम्मेदारी नहीं थी, सामाजिक जिम्मेदारी की कमी थी क्योंकि इस डर से कि किसी तरह की सामाजिक जिम्मेदारी लेने से, हम सुसमाचार के मूल को खो देंगे, और हम अब सुसमाचार का प्रचार नहीं कर पाएंगे।

इसलिए, मैं सामाजिक जिम्मेदारी और अपने पड़ोसी से प्यार करने से बहुत डरता हूँ। तो, यह कट्टरवाद और आधुनिक बौद्धिक प्रवृत्तियों के साथ जुड़ाव की कमी के बारे में सच था। अक्सर आधुनिक बौद्धिक प्रवृत्तियों के साथ जुड़ाव की कमी होती है और कभी-कभी ऐसा करने के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जाता है।

और कभी-कभी, अगर ऐसा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, तो दर्शन, कला, इतिहास, इत्यादि से जुड़ना नहीं चाहते, उस तरह की चीजें नहीं करना चाहते और मार्क नो ने कल रात बहुत अच्छा किया। तो यह समस्याग्रस्त हो गया। कुछ और हैं, बस कुछ और, जिनका कार्ल हेनरी ने उल्लेख किया है, और हमने उस दिन हेनरी का उल्लेख किया था, लेकिन कुछ और हैं जिनका कार्ल हेनरी ने उल्लेख किया है जो यहाँ मेरी सूची में नहीं हैं।

लेकिन मुझे लगता है, ओह, उन्होंने कुछ और बातें बताई हैं। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि एक तो उनके लिए थी, और याद रखिए कि वे इसी में पले-बढ़े थे; एक भविष्यवाणी मसीह के दूसरे आगमन के बारे में एक अनुचित रूप से संतुलित भविष्यवाणी थी। और टेड ने उसका भी उल्लेख किया।

इसलिए, उन्होंने हमें याद दिलाया कि मसीह का दूसरा आगमन कितना महत्वपूर्ण है। और मुझे लगता है कि कुछ चर्चों में, हम भूल गए हैं कि हम मसीह के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा में उंगलियों पर खड़े नहीं हैं। लेकिन दूसरी ओर, उनमें से कई के लिए, यह एकमात्र ऐसी चीज़ बन गई जिसके बारे में वे चिंतित थे।

ऐसा लगता है कि अन्य सिद्धांतों, जैसे कि प्रायश्चित के सिद्धांत, ने एक गौण स्थान ले लिया और कार्ल हेनरी ने एक तरह से अपने ही लोगों को इसके लिए दोषी ठहराया। फिर उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि, उनके बाइबल स्कूलों और उनके सेमिनारियों में, अक्सर बाइबल धर्मशास्त्र और बाइबल धर्मशास्त्र में प्रशिक्षण की कमी थी। उन्हें शायद उपदेश देने में प्रशिक्षित किया गया था।

यह ठीक है। उन्हें शायद चर्च के प्रशासन में प्रशिक्षित किया गया था। यह ठीक है।

उन्हें चर्च की राजनीति में प्रशिक्षित किया गया था। यह ठीक है। लेकिन इन सभी बातों का समर्थन करने के लिए ठोस बाइबिल धर्मशास्त्र के बिना, कार्ल हेनरी ने कहा, यह सब बुरी खबर है।

तो, हम यहाँ परिणामों के अंतर्गत, डी परिणामों के अंतर्गत जो कह रहे हैं, वह यह है कि कट्टरवाद से तीन प्रमुख परिणाम सामने आए। पहला परिणाम, एक तरह से, कट्टरवाद की आलोचना थी। तो हाँ, जैसी।

बाइबिल धर्मशास्त्र बाइबिल पाठ के माध्यम से जा रहा है और, वास्तव में ध्यान से समझ, एकेश्वरवाद, त्रिदेव, क्राइस्टोलॉजी, और इसी तरह, बाइबिल पाठ को चर्च को धर्मशास्त्र के शब्द बोलने देना और इसी तरह। इसलिए, वह बाइबिल को बहुत गंभीरता से लेता है और बाइबिल पाठ को गंभीरता से लेता है और बाइबिल पाठ हमें क्या सिखाता है, जिसकी कमी उसे कट्टरपंथी स्कूलों में मिली, जो उन्होंने अभी-अभी किया। और, और, और हाँ, तो यह सही है।

उनमें से कुछ ने छात्रों को व्याख्या और अन्य विषयों में मदद करने के लिए ग्रीक या हिब्रू की पेशकश नहीं की होगी। लेकिन उन्होंने पाया कि उनके स्कूलों में इसकी कमी है। ठीक है।

चित्रण का समय। मेरे पास, लड़के, मेरे पास कुछ दिलचस्प चीज़ें हैं; मैं हर चीज़ पर फाइलें रखता हूँ, और मेरे पास कट्टरवाद पर एक फाइल है और, यह, यह एक दिलचस्प फाइल है। हम इस बारे में बहुत बात कर सकते हैं कि मेरी फाइल में क्या है, लेकिन मैं केवल दो चित्रणों का उपयोग करने जा रहा हूँ।

यह प्रेम के बजाय न्याय को दर्शाता है। मैं यहाँ अपनी विशाल फ़ाइल से दो चित्रों का उपयोग करूँगा, जो मुझे बहुत दिलचस्प लगते हैं। एक चित्र बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी से लिया गया है।

यह कई साल पहले की बात है जब इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी के सदस्य बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के साथ पत्राचार कर रहे थे। बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी ने 17 फरवरी, 1971 को इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी को एक पत्र लिखा था। अब, संक्षेप में, इवेंजेलिकल

थियोलॉजिकल सोसाइटी में, यह एक ऐसी सोसाइटी थी जिसका गठन इवेंजेलिकल्स द्वारा धर्मग्रंथों, चर्च के इतिहास आदि का गंभीरता से अध्ययन करने के लिए किया गया था।

हममें से कई लोग यहाँ इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी से जुड़े हैं। यहाँ वह पत्र है जो सोसाइटी को बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी से वापस मिला था जब उसने बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी को पत्र लिखा था। इसमें लिखा है, क्या आप इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी के पूरे न्यू इंग्लैंड सेक्शन को बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के साथ मुद्दा उठाने के लिए हमारी सलाहना व्यक्त करेंगे? अगर आपके पास हमारे बारे में कहने के लिए कुछ अच्छा है तो हमें बहुत चिंता होगी।

मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि हमें इस बात की परवाह नहीं है कि इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के बारे में क्या सोचती है। चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो, आपने खुद को बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी की स्थिति से बहुत पहले ही अलग कर लिया था जब आपने खुद को नए इवेंजेलिकल रुख, सामाजिक सुधार और विश्वव्यापी अभिविन्यास की स्थिति से जोड़ा था। और फिर से, ये कट्टरवाद, किसी भी तरह के सामाजिक मंत्रालय या विश्वव्यापी मंत्रालय के दो डर हैं।

इसलिए, मुझे इस बात पर ज़रा भी आश्चर्य नहीं है कि अलगाववादी दृष्टिकोण आपके लिए अपमानजनक है। आप बहुत पहले ही भूल चुके हैं कि इस शब्द का क्या अर्थ है, जब इसे परमेश्वर के वचन पर लागू किया जाता है। अंत में, क्या मैं सुझाव दे सकता हूँ कि इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी बदलाव के लिए कुछ धर्मशास्त्रीय कार्य करना शुरू कर दे, या यदि नहीं, तो नाम बदलकर इवेंजेलिकल सोशल सोसाइटी फॉर द फ़ॉरवर्ड्स ऑफ़ द किंगडम ऑफ़ द एंटीक्रिस्ट जैसा कुछ करना उचित होगा।

इस बीच, बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी स्कूल के मामलों में आपकी वापसी का आपके साथ धार्मिक, स्थितिगत और जैविक रूप से कोई लेना-देना नहीं है; यह अनुचित, अनुचित, अनुचित और हस्तक्षेपकारी है। तो यह बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी, इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी से प्राप्त एक दिलचस्प पत्र था। बैरिंगटन में, एक समय में, यह लगभग उसी समय की बात है। बॉब जोन्स के पास एक मीडिया सेंटर था, और वे अभी भी ऐसा कर सकते हैं, लेकिन एक समय में, हमारे एक कार्यक्रम के लिए, हम उनकी एक फिल्म किराए पर लेना चाहते थे।

इसलिए, हमने पूछा, हमने कहा, क्या हम आपकी फिल्म किराए पर ले सकते हैं और इसे अपनी कक्षा में दिखा सकते हैं? उन्होंने हमें एक पत्र लिखा जिसमें कहा गया था कि वे बैरिंगटन कॉलेज को कभी भी फिल्म किराए पर नहीं दे सकते क्योंकि बैरिंगटन कॉलेज शैतान का था। और क्योंकि यह शैतान और शैतानी था, इसलिए उन्हें लगा कि वे हमारे शैतानी जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं इसलिए उन्होंने हमें फिल्म किराए पर नहीं दी। लेकिन एक और उदाहरण बहुत दिलचस्प है।

मुझे लगता है कि मैं असली कट्टरवाद के इतने करीब आ गया हूँ। और इस बारे में एक छोटी सी कहानी है, लेकिन मैं कहानी को जल्दी ही बता दूँगा। लेकिन मुझे याद है कि मैं टोरंटो जा रहा था।

मुझे लगता है कि मैं 1989 में किसी सम्मेलन या किसी अन्य कार्यक्रम के लिए टोरंटो जा रहा था। और मैं कबूल करता हूँ, मैं कबूल करता हूँ, कबूल करना आत्मा के लिए अच्छा है। जब मैं उड़ान भरता हूँ, तो मैं लोगों से बात नहीं करता।

शायद आप ऐसा सोचते हों, लेकिन मैं जब हवाई जहाज़ पर होता हूँ तो लोगों से बात नहीं करता। मेरे लिए, जब मैं विमान में चढ़ता हूँ और अपनी सीट पर बैठता हूँ, तो वह पढ़ने, अध्ययन करने और हर चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने का समय होता है। मैं अपने पड़ोसी से बात नहीं करता।

तो, मैं उस तरह से बहुत अच्छा प्रचारक नहीं हूँ। मुझे लगता है कि मैं एक अच्छा प्रचारक हूँ, शायद दूसरे तरीकों से, लेकिन मैं उस तरह से एक अच्छा प्रचारक नहीं हूँ। तो, मुझे वास्तव में वह किताब याद है जो मैं पढ़ रहा था।

मैं फॉक्स की रेनहोल्ड नीबहर की जीवनी पढ़ रहा था, जो वैसे, एक बेहतरीन किताब है अगर आपको कभी इसे पढ़ने का मौका मिले। मैंने देखा कि यह आदमी मेरी किताब और अन्य चीज़ों को देख रहा है, और मुझे बस इतना पता था कि वह मुझसे कुछ कहने वाला है। मुझे बस यही लग रहा था कि वह कुछ कहने वाला है।

तो उसने बात करना शुरू किया और अपना परिचय दिया। उसका नाम मि. एंडी वंडेनबर्ग था, और उसने मुझसे बात करना शुरू किया। उसने वह किताब देखी जो मैं पढ़ रहा था और शायद नीबूर के बारे में थोड़ा जानता था, और उसने मुझसे ईसाई धर्म के बारे में बात करना शुरू किया और बताया कि वह कैसे एक ईसाई था।

अब, वह महान रहस्योद्घाटन जो वह मेरे साथ साझा करना चाहता था, वह यह था कि वह आर्मडेल, नोवा स्कोटिया में एक चर्च से संबंधित था, जिसके बारे में उसे यकीन था कि वह दुनिया का एकमात्र सच्चा चर्च है। कि अन्य सभी चर्च और सभी अन्य ईसाई धर्मत्यागी थे। और वह मुझे इस बात का यकीन दिलाना चाहता था।

वह मुझे दिखाना चाहता था कि उसका चर्च सच्चा चर्च कैसे है। और प्यार के बजाय न्याय दिखाने के बारे में बात करना चाहता था। यहाँ हमने जो कुछ भी कहा है, उसके बारे में बात करना चाहता था। तो मैं बस, आप जानते हैं, कृपया मुझे एक विराम दें।

खैर, हमने इस बारे में थोड़ी बातचीत शुरू की, और वह हर चीज़ को लेकर थोड़ा गुस्सा और घबरा गया। और फिर उसने मेरा पता पूछा, और मैंने कभी नहीं पूछा कि मैंने ऐसा क्यों किया। मैंने उसे गॉर्डन कॉलेज में अपना पता दिया। और इसलिए मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों किया, लेकिन ओह याक्स।

और फिर उसने मुझसे बात करना शुरू किया कि वह वास्तव में एक गुस्सैल व्यक्ति था और बहुत अच्छा व्यक्ति नहीं था। फिर उसने मुझसे बात करना शुरू किया कि जिस कारखाने में वह काम करता है, वहाँ कोई भी उसे पसंद नहीं करता, और हर कोई उसके खिलाफ है। और मैं, इसलिए मेरी एकमात्र पादरी सलाह जो मैं दे सकता था, वह यह थी कि, ठीक है, और उसने सोचा कि कोई भी उसे पसंद नहीं करता क्योंकि वह हमेशा मसीह के बारे में मसीह की गवाही देता था।

और मैंने कहा, ठीक है, आपको यह करना ही होगा। सुसमाचार के लिए सताए जाने, यानी धार्मिकता के लिए सताए जाने और सिर्फ इसलिए सताए जाने के बीच एक अंतर है क्योंकि आप घृणित हैं। मेरा मतलब है, आपको यहाँ इस तरह के अंतर को समझना होगा। और मुझे नहीं लगता कि उसे धार्मिकता के लिए सताया जा रहा था।

मुझे लगता है कि उसे अप्रिय होने के कारण सताया जा रहा था। वैसे भी यह मेरी अपनी राय है। मुझे नहीं लगता कि उसे यह पसंद आया, इसलिए उसने मुझे एक पत्र लिखा।

उन्होंने कहा, प्रिय रोजर, शिकागो-टोरंटो उड़ान के दौरान हमारी हाल ही में हुई बातचीत के बाद, मुझे संलग्न जानकारी को इस उम्मीद में आगे बढ़ाने में खुशी हो रही है कि आप सच्चे और जीवित परमेश्वर की ओर मुड़ेंगे। जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, आप इस दुनिया की आत्मा से धोखा खाते रहेंगे और कभी भी यह नहीं समझ पाएंगे कि मैं आपको क्या बता रहा हूँ, क्योंकि एक प्राकृतिक व्यक्ति परमेश्वर की आत्मा की बातें प्राप्त नहीं करता है। मुझे उम्मीद है कि आप स्वीकार करेंगे कि आप एक पापी हैं, जिसे करने में मुझे खुशी है, और इसकी शक्ति के तहत, ताकि आपकी आँखें खुल जाएँ और आप अंधकार से प्रकाश की ओर और शैतान की शक्ति से परमेश्वर की ओर मुड़ जाएँ।

मुझे नहीं लगता कि मैंने जो वहाँ कहा वह उसे पसंद आया। ताकि तुम पापों की क्षमा और मसीह में विश्वास के द्वारा पवित्र किए गए लोगों के बीच विरासत प्राप्त कर सको; एक बार जब परमेश्वर तुम्हें पश्चाताप और सत्य की स्वीकृति की ओर ले जाता है, तो वह तुम्हें दिखाएगा कि इस पूरे समय में तुम कैसे धोखा खाए गए हो और कैसे तुम पाप के बंधन में रहे हो।

इसके अलावा, आप जिस चर्च से जुड़े हैं, वह ईश्वर की बुद्धि पर आधारित नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि पर आधारित है। हालाँकि, मैं जो सुसमाचार प्रचार करता हूँ, वह मनुष्य के अनुसार नहीं है, न ही मुझे इसे सिखाया गया है, बल्कि यीशु मसीह के रहस्योद्घाटन द्वारा है, और मैं आपके किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए तत्पर हूँ, जो निश्चित रूप से मेरे पास नहीं है, मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के प्रेम और सेवा में, एंडी वंडेनबर्ग। तो फिर वह मुझे अपना सारा साहित्य भेजता है।

यह सब पश्चाताप, पश्चाताप कैसे करें, इत्यादि के बारे में है। मेरा मतलब है, यह हमेशा चलता रहता है। फिर वह पोप, ट्यूरिन के कफन, इत्यादि के बारे में बात करता है।

लेकिन फिर जिस चीज़ को देखकर मुझे सबसे ज़्यादा खुशी हुई, वह थी वह कंपनी जिसमें मैं था क्योंकि उसने मुझे बिली ग्राहम को भेजे गए एक पत्र की एक प्रति भेजी थी। और मैं पूरी बात नहीं पढ़ूँगा क्योंकि बिली ग्राहम को मुझसे ज़्यादा लंबा पत्र मिला था, बेशक। लेकिन सबसे पहले, श्री बिली ग्राहम को, मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के लिए एक सैनिक के रूप में, मुझे न केवल उनके जैसा अस्वीकार कर दिया गया है, यह उनका भ्रमित करने वाला अस्तित्व है, आप जानते हैं, बल्कि इस दुनिया के धार्मिक अधिकारियों, शक्तिशाली शैतान द्वारा सबसे अधिक नफ़रत की गई है, जो उनके शिष्य होने का दावा करते हैं लेकिन मेरे जैसे 38 वर्षों तक धोखा खाए गए हैं।

भगवान का शुक्रिया। हाँ, श्री ग्राहम, आप स्वयं पाप के, शैतान के सेवक हैं, और उन लोगों की सेवा करते हैं जो स्वभाव से ईश्वर नहीं हैं और मसीह के नाम का व्यर्थ उपयोग करते हैं। जब तक आप पश्चात्ताप नहीं करते, आप अपने पाप में और बुराई की शक्ति के अधीन मर जाएँगे।

शैतान ने तुम्हें मसीह के प्रेरित में बदल दिया है, जबकि सच में तुम इस ब्रह्मांड की शासक आत्मा की सेवा करते हो। स्वभाव से, तुम अभी भी मानते हो कि पाप एक वेश्या, शराबी या नशेड़ी जैसा कार्य है, जबकि यह हर पुरुष, महिला और बच्चे का फल है। तुम यह नहीं जानते, क्योंकि तुम स्वयं शैतान की शक्ति के अधीन एक स्वाभाविक मनुष्य हो।

इसीलिए आपको पश्चात्ताप करना चाहिए, एक नया इंसान बनना चाहिए और फिर से जन्म लेना चाहिए। अपनी हाल की यात्राओं के दौरान, मैंने आपके तथाकथित धर्मयुद्धों में से एक को देखा, जिसमें उपस्थित सभी लोगों को धोखा दिया गया। आप कैसे अपंगों और विकलांगों को लपेटते हैं, और कैसे लोग उनकी सराहना करते हैं जबकि वे अपने ईश्वर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताते रहते हैं, और इसी तरह की अन्य बातें।

यह सिलसिला हमेशा चलता रहता है। तो, बिली ग्राहम को यह बात समझ में आ गई। बिली ग्राहम इवेंजलिस्टिक एसोसिएशन ने मुझे पूरे एसोसिएशन को लिखे एक बहुत लंबे पत्र की एक प्रति भेजी।

मुझे लगा कि यह दिलचस्प है। वर्ल्ड चैलेंज ने इसे हासिल कर लिया। डेव विल्करसन के समूह ने इसे हासिल कर लिया।

जिमी स्वैगार्ट, उन्हें पद से हटा दिया गया। हैलिफैक्स, नोवा स्कोटिया में फेथ टैबरनेकल। हैलिफैक्स में कैथोलिक आर्कबिशप, अब आप सोच रहे होंगे कि उन्हें वाकई पद से हटा दिया जाएगा, और उन्हें हटा दिया गया।

राल्फ वुडरो, इवेंजलिस्टिक एसोसिएशन, रिवरसाइड, कैलिफोर्निया, और समाचार पत्रों को पत्र लिखकर बताते हैं कि जीवन में सब कुछ कितना बुरा है। तो, एंडी वंडेनबर्ग पर मेरी फ़ाइल है। मुझे अपने जीवन में पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ था, और मैं कभी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जो वास्तव में कह सके कि उनका चर्च ही एकमात्र सच्चा चर्च है।

बस यही एक मौका है। मुझे लगता है कि कभी-कभी मैं ऐसे लोगों से मिला हूँ जो मानते हैं कि उनका संप्रदाय ही एकमात्र सच्चा संप्रदाय हो सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं कभी किसी ऐसे व्यक्ति से मिला हूँ जो कहता है कि सौ या उससे ज़्यादा विश्वासियों वाला उनका छोटा चर्च ही दुनिया का एकमात्र सच्चा चर्च है। मेरा मतलब है, ऐसा मानने के लिए आपको बहुत संकीर्ण रूप से केंद्रित होना होगा, और वह बहुत संकीर्ण रूप से केंद्रित था।

तो, यह अमेरिकी कट्टरवाद है। यह चरम पर पहुंच सकता है। एंडी वंडेनबर्ग शायद चरम पर हैं।

यह चरम सीमा तक जा सकता है, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन वैसे भी, कट्टरवाद का पहला परिणाम यह था कि इसने खुद पर आलोचना ला दी, और यह सही भी है। मुझे लगा कि मैंने तुम्हारा हाथ देखा, जैसी। क्या मैंने देखा? नहीं।

ठीक है, क्या इस पहले परिणाम पर कोई है, या क्या कट्टरपंथ की इन आलोचनाओं पर कोई है? मुझे नहीं पता कि आप में से किसी का कट्टरपंथ से या किसी भी तरह से प्रत्यक्ष सामना हुआ है, लेकिन... हाँ, अगर मैं कोई रहस्यपूर्ण उपन्यास या कुछ और पढ़ रहा होता, तो शायद वह ऐसा न करता, लेकिन उसने देखा कि वह एक संबंध बना रहा है, और फिर एक बार जब उसने ऐसा किया, तो हम पूरे दो या तीन घंटे बात करते रहे, और ओह, यह एक अनुभव था। हाँ। फिर मुझे उसके पत्रों का ढेर मिला, इसलिए मैंने इसे अपनी फ़ाइल में सहेज लिया है।

ठीक है, परिणाम नंबर एक आलोचना है। ठीक है, दूसरा परिणाम। दूसरा परिणाम यह है कि कट्टरपंथ के इस आंदोलन से इवेंजेलिकलिज्म नामक एक आंदोलन आया।

इसलिए, इंजीलवाद कट्टरवाद से एक बहुत ही सचेत अलगाव था, और जैसा कि हमने उल्लेख किया, लोगों द्वारा, जिनमें से कुछ उस कट्टरपंथी परंपरा में पले-बढ़े थे, लेकिन वे बाहर निकलना चाहते थे। और एक आदमी जो बाहर निकलना चाहता था, हम बाद में बात करेंगे, लेकिन उसने कट्टरवाद कहा, उसने कट्टरवाद के बारे में कहा, उसने कहा, वे बड़े दोषों को बढ़ावा देते हुए छोटे गुणों पर जोर देते हैं। और इसलिए, कुछ लोग बाहर निकलना चाहते थे, और उन्होंने इंजीलवाद नामक एक समूह बनाया।

अब, यह हमारा पूरा अगला व्याख्यान है। इवेंजेलिकलिज्म हमारा अगला व्याख्यान है, इसलिए मैं यहाँ इसके बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ। तो, परिणाम संख्या दो इवेंजेलिकलिज्म है।

ठीक है। इन सबका तीसरा परिणाम कट्टरवाद के प्रति उदारवादी प्रतिक्रिया है, कट्टरवाद के प्रति उदारवादी प्रतिक्रिया। और शायद सबसे मजबूत प्रतिक्रियाओं में से एक हैरी एमर्सन फ़ोसडिक नाम के एक व्यक्ति की ओर से आई।

ठीक है। तो, हैरी एमर्सन फ़ोसडिक। क्या मैंने उसकी तारीखें बता दी हैं? मैंने बता दी हैं।

1878, 1969. हैरी एमर्सन फ़ोसडिक शायद अपने समय के सबसे प्रसिद्ध रेडियो प्रचारक थे। न्यूयॉर्क शहर में उनका एक बहुत बड़ा चर्च था, जिसे रिवरसाइड चर्च इन न्यूयॉर्क कहा जाता था।

इसे रॉकफेलर्स ने बनवाया था। क्या आप में से कोई रिवरसाइड चर्च गया है? अगर आप कभी वहाँ नहीं गए हैं, तो आपको कभी वहाँ जाना चाहिए। यह देखने में वाकई अद्भुत है।

यह एक गिरजाघर जैसा है। यह अद्भुत है। और हैरी एमर्सन फ़ोसडिक अंततः रिवरसाइड चर्च के पादरी बन गए।

४०, ५० और ६० के दशकों में, ६९ में उनकी मृत्यु हो गई, लेकिन वे संभवतः अमेरिका में सबसे प्रसिद्ध प्रचारकों में से एक थे। अब, इंजील के कारण में अन्य प्रचारक भी थे, जो काफी प्रसिद्ध थे,

लेकिन हैरी इमर्सन फॉसडिक अपने उपदेश के लिए जाने जाते थे। हैरी इमर्सन फॉसडिक ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपदेश दिया, जिसका नाम था, क्या कट्टरपंथी जीतेंगे? क्या कट्टरपंथी जीतेंगे? वह उपदेश और इसे पुनर्प्रकाशित किया गया और उसके प्रचार के बाद सब कुछ, वह उपदेश उदारवादी था, अधिक उदार पक्ष का, अधिक अमेरिकी प्रोटेस्टेंटवाद के वामपंथी, चुनौती देते हुए कह रहे थे, क्या कट्टरपंथी जीतेंगे? और, ज़ाहिर है, फॉसडिक का जवाब था, नहीं, वे नहीं जीतेंगे क्योंकि मैं, एक प्रचारक के रूप में, मैं उनके साथ युद्ध में जाने वाला हूँ।

तो, उन्होंने ऐसा किया। और अमेरिकी कट्टरपंथ की कमज़ोरियों को प्रकाश में लाने में वे बहुत उल्लेखनीय थे। तो, तीन परिणाम आलोचना हैं, एक, कट्टरपंथ से निकलने वाला इंजीलवाद, और दूसरा, कट्टरपंथ के प्रति उदार प्रतिक्रिया, हैरी एमर्सन फ़ोसडिक इसका एक बेहतरीन उदाहरण है।

ठीक है। तो, अब मैं तीन परिणामों के साथ यहीं रुकता हूँ। क्या हम सभी कट्टरवाद के साथ सहमत हैं? ठीक है।

तो जहाँ तक ईसाई धर्मशास्त्र का सवाल है, अभी, जिस समय की हम बात कर रहे हैं, यूरोप से अमेरिका की ओर थोड़ा बदलाव हुआ है। ईसाई धर्मशास्त्र के विकास के मामले में अमेरिका बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसलिए हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ठीक है। चलिए लेक्चर नंबर 12 पर चलते हैं, 20वीं सदी में इंजीलवाद का उदय। आइए देखें कि 20वीं सदी में इंजीलवाद के साथ क्या हुआ, जो कट्टरवाद से निकला था।

आप देख सकते हैं कि हम यहाँ पाँच काम करने जा रहे हैं, और हम यहाँ इन सबकी पृष्ठभूमि से शुरुआत करने जा रहे हैं। ठीक है। तो, पृष्ठभूमि।

ठीक है। मैंने एक बढ़िया बात सुनी। यह उस सम्मेलन में था जिसमें टेड और मैं कुछ हफ़्ते या एक हफ़्ते में भाग लेने जा रहे हैं, मुझे लगता है। मुझे यह सेट लेने दो।

इसके लिए माफ़ी चाहता हूँ। यह एक रिहर्सल है। यह जल्दी हो जाता है, और मैं इसे म्यूट कर सकता हूँ ताकि आप लोगों को इसे देखने की ज़रूरत न पड़े, लेकिन ठीक है।

चलो, चलो। मैं ऐसा नहीं चाहता। ठीक है।

ठीक है। इंजीलवाद की पृष्ठभूमि। मैं उस तरह के सम्मेलन में था जिसमें टेड और मैं जाएँगे। मैं एक सम्मेलन में था, मुझे नहीं पता; यह लगभग 10 साल पहले की बात है, और एक साथी इंजीलवाद पर व्याख्यान दे रहा था।

उन्होंने इंजीलवाद की नींव पर एक शानदार व्याख्यान दिया और बताया कि 20वीं सदी में इंजीलवाद आंदोलन को किसने आकार दिया। तो यह एक ऐसा दिन था जब मेरे पास लैपटॉप या कुछ भी नहीं था, इसलिए मैं जितनी जल्दी हो सके लिख रहा था। इसलिए, मैं उन्हें श्रेय देने जा

रहा हूँ क्योंकि उन्होंने कहा, और मुझे यह पसंद है, पाँच बुनियादी नींव थीं जिन्होंने इंजीलवाद का निर्माण किया।

बुनियादी समूह थे, मुझे नहीं पता, जिन्होंने इंजीलवाद को बनाने में मदद की। तो वे कौन से हैं? ठीक है। नंबर एक, वह है जिसे उन्होंने शास्त्रीय परंपरा कहा, जिसने इंजीलवाद को बनाने में मदद की।

शास्त्रीय परंपरा से उनका तात्पर्य सुधारकों की परंपरा, लूथर और कैल्विन की परंपरा से था। और आज भी इंजीलवाद लूथर कैल्विन और अन्य सुधारकों का वजन वहन करता है। इसका एक आदर्श उदाहरण वह पेपर है जिसे आपने कल रात सुना था, या आप में से कुछ ने कल रात मार्क नोल का पेपर सुना था।

उन्होंने लूथर, लूथर के सोला स्क्रिप्टुरा और इसे कैसे आकार दिया गया और कैसे बनाया गया, इस बारे में बहुत सारी बातें कहीं। उन्होंने ज़िंगली, कैल्विन और विक्लिफ़ के बारे में बात की। यह बहुत बढ़िया था।

और इसलिए, वह एक इतिहासकार के रूप में इस शास्त्रीय सुधार परंपरा की ओर वापस जा रहे थे, जिसने आधुनिक इंजीलवाद को आकार दिया है, इसमें कोई संदेह नहीं है। तो यह एक परंपरा है जिसने वह लाया है जिसे हम इंजीलवाद कहते हैं। दूसरी परंपरा पिएटिस्ट आंदोलन है जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं।

लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि धर्मनिष्ठता आधुनिक इंजीलवाद का एक अच्छा स्वरूपक था। आधुनिक इंजीलवाद अपनी जड़ों की ओर देखता है और धर्मनिष्ठतावादी परंपरा की ओर भी देखता है। तो यह एक दूसरी परंपरा है, यह 17वीं सदी का अद्भुत नवीनीकरण आंदोलन है, जो, वैसे, सिर्फ़ एक अनुस्मारक था, यह सिर और दिल का आंदोलन था।

यह सिर्फ़ किसी तरह का अनुभवात्मक आंदोलन नहीं था। ये लोग विश्वासियों के बौद्धिक जीवन को लेकर बहुत गंभीर थे। इसलिए, हमें यह याद रखना चाहिए क्योंकि धर्मनिष्ठता को गलत तरीक़े से सिर्फ़ एक अनुभव के तौर पर समझा जाता है, एक ऐसी चीज़ जो लूथरवाद के साथ आई थी।

और यह सच नहीं है, धर्मपरायणता। तीसरा, निश्चित रूप से, जॉन वेस्ले से 18वीं सदी का वेस्लेयन आंदोलन और फिर वेस्लेयन पुनरुत्थान होगा। आज बहुत सारे इंजीलवाद की जड़ें उसी वेस्लेयन परंपरा में हैं।

और यह भी इंजीलवादियों के बीच एक दिलचस्प चर्चा है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वेस्लेयन। नंबर चार, निश्चित रूप से, कट्टरपंथ होगा क्योंकि इंजीलवाद अपने साथ, इंजीलवाद में, कट्टरपंथ के बहुत सारे सिद्धांतों को लेकर आया। कट्टरपंथ के बारे में जो बात उसे पसंद नहीं थी, वह थी उसकी भावना, लड़ाई, आपसी झगड़े, उस तरह की चीज़ों की भावना।

लेकिन कट्टरवाद के सिद्धांत इंजीलवाद में भी चले गए, इसमें कोई संदेह नहीं है। और फिर उन्होंने जो पांचवीं श्रेणी दी, उसे उन्होंने प्रगतिशील कहा। और मुझे यह प्रगतिशील पसंद है।

और प्रगतिशील से उनका मतलब आधुनिक दुनिया के प्रति सचेत भावना से था। और इंजीलवादियों के पास उस दुनिया के प्रति वह भावना है जिसमें हम रहते हैं और उस दुनिया की सेवा करते हैं, आधुनिक दुनिया के प्रति सचेत भावना। इसलिए मुझे लगता है, मुझे उम्मीद है कि गॉर्डन कॉलेज में एक इंजील संस्थान के रूप में, हम आपको उस दुनिया के बारे में एक तरह की समझ देते हैं जिसमें आप प्रवेश करने जा रहे हैं, और हम आपको उस दुनिया में सेवक नेता बनने और शिक्षा के क्षेत्र में या कानून के क्षेत्र में या चिकित्सा के क्षेत्र में या जो भी क्षेत्र आप चुनते हैं, या जिसे भगवान ने आपके दिल में रखा है, उसमें एक वास्तविक क्रांति लाने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं।

तो, आधुनिक दुनिया की एक सचेत भावना निश्चित रूप से एक और परंपरा है जो इंजीलवाद को आकार देती है। अब, उन्होंने जो कहा, और अभी भी पृष्ठभूमि के रूप में, उन्होंने जो कहा वह यह था कि इन लोगों को एक साथ रखने वाली दो चीजें हैं। सबसे पहले, धार्मिक विश्वासों का एक समूह।

वे ऐतिहासिक धर्मशास्त्र और ऐतिहासिक रूढ़िवादिता के प्रति प्रतिबद्ध हैं। और रूढ़िवादिता से हमारा मतलब चर्च से नहीं है। हमारा मतलब सिद्धांत और इसी तरह की अन्य बातों के संदर्भ में रूढ़िवादिता से है, और यह बात कल रात भी चर्चा में आई थी। लेकिन धार्मिक मान्यताओं का एक समूह।

एक तरह से, मार्क नोल ने कल रात इसका ज़िक्र किया क्योंकि यह धार्मिक प्रकार की पंथ संबंधी सैद्धांतिक धारणाएँ हैं जो प्रोटेस्टेंटों को एक साथ लाती हैं, भले ही बहुत से अलग-अलग प्रोटेस्टेंट संप्रदाय हों। दूसरी बात यह है कि लेखक या वह व्यक्ति जो पेपर कर रहा था, उसे लोकाचार कहा जाता है। दुनिया में नवीनीकरण, व्यक्तियों और चर्चों के रूपांतरण की भावना है, आध्यात्मिक नवीनीकरण का एक आंदोलन है।

यही वह लोकाचार है जो इन लोगों को इवेंजेलिकल्स के रूप में एक साथ बांधता है, चाहे वे किसी भी संप्रदाय से संबंधित हों। इसलिए, धार्मिक विश्वासों और लोकाचार का एक निश्चित समूह। और आप जानते हैं, जब आप इस लोकाचार के साथ इवेंजेलिकल्स के बीच होते हैं क्योंकि आपके पास एक तरह से एक ही भाषा होती है, आप जानते हैं, ईश्वर आपके दिल पर काम कर रहा है, मसीह की छवि के अनुरूप है, पवित्र आत्मा आपकी सेवा कर रहा है, और इसी तरह।

और फिर, पिछली रात के व्याख्यान में, हमें वह सारी भाषा मिली, जो इंजील समुदाय की महान भाषा थी, और हम कैसे समझते हैं, आप जानते हैं, न केवल धर्मशास्त्र बल्कि हम इंजील जीवन को भी कैसे समझते हैं। तो, ठीक है। तो यह सिर्फ पृष्ठभूमि के संदर्भ में है।

ठीक है। दूसरी बात जो मैं करना चाहता हूँ वह है 20वीं सदी की ताकतें जो चर्च को आकार दे रही हैं। ये ताकतें चर्च को आकार दे रही हैं जिनमें इंजीलवाद विशेष रूप से रुचि रखेगा।

इसलिए, मैं चर्च को आकार देने वाली अधिक समाजशास्त्रीय चीजों और चर्च को आकार देने वाली समाजशास्त्रीय ताकतों के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ। मैं विज्ञान, दर्शन और इसी तरह की अन्य चीजों के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ, जैसा कि हमने पहले बात की थी। इसलिए, मैंने चार चीजें चुनी हैं जो 20वीं सदी में चर्च को आकार देंगी जब इंजीलवाद का गठन हुआ था, और ये शायद आज भी सच हैं।

तो, ठीक है। नंबर एक, निश्चित रूप से 20वीं सदी के मध्य में समृद्धि का युग था। इसमें कोई संदेह नहीं है।

प्रथम विश्व युद्ध, महामंदी और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद समृद्धि का युग आया। और समृद्धि के इस युग ने लोगों को घर, कार, व्यवसाय चलाने और इसी तरह के अन्य मामलों में अपने जीवन में एक ऐसी जगह पर ला खड़ा किया, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था। यह उनके लिए एक नई दुनिया है।

और जो सवाल इंजीलवादियों ने खुद से पूछना चाहा, वह यह था कि हम उस नई दुनिया में उन लोगों की सेवा कैसे करें? हम उनकी सेवा कैसे करें ताकि हम उन्हें किसी तरह के स्वास्थ्य और धन के सुसमाचार का उपदेश न दें? और हम उनकी सेवा कैसे करें ताकि वे अपनी समृद्धि से जो कुछ भी प्राप्त कर रहे हैं उसे साझा करें? लेकिन हम उन लोगों की सेवा कैसे करें जो इस समृद्धि के युग में रह रहे हैं? हम यह कैसे करते हैं? इसे करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? तो, यह एक तरह की बात है। दूसरी बात, निश्चित रूप से, शहरीकरण थी। 1950 के दशक के मध्य में या द्वितीय विश्व युद्ध, प्रथम विश्व युद्ध, महामंदी, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बहुत से लोग शहरों की ओर जा रहे थे।

यह एक बहुत बड़ा आंदोलन था, शहरों की ओर पलायन, और बहुत बड़ा शहरीकरण हो रहा था। ठीक है? समस्या यह है कि, बेशक, शहरीकरण ने अपनी खुद की समस्याएँ पैदा की हैं। इंजीलवादी दुनिया जानना चाहती थी कि हम दुनिया भर के प्रमुख शहरों में रहने वाले लोगों की सेवा कैसे करते हैं। इंजीलवाद उन लोगों की सेवा कैसे करता है? क्या हम उन तक सुसमाचार को उतने ही शक्तिशाली तरीके से पहुँचा सकते हैं, जितना हम कृषि जगत में कर रहे हैं? क्या यह संभव है? मुझे लगता है कि पहले तो कुछ लोगों ने सोचा कि यह संभव नहीं है, लेकिन फिर बिली ग्राहम आए, जिनके बारे में हम बात करेंगे।

बिली ग्राहम भी आते हैं। वे शहरों में सेवा करते हैं, और वहाँ उनका मंत्रालय बहुत बड़ा है। इसलिए, वे लोगों तक पहुँचते हैं, निश्चित रूप से शहरों में लोगों तक पहुँचते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन यह निश्चित रूप से एक दूसरी ताकत है जिसके लिए इंजीलवाद को सेवा करनी होगी, मुझे लगता है कि आप ऐसा कह सकते हैं। ठीक है? नंबर तीन। तीसरी चीज जिसे उन्हें समझना होगा, वह है जिसे होम मिशन कहा जाता है।

घरेलू मिशन। 18वीं और 19वीं सदी के अंत से ही इंगीलवाद हमेशा विदेशी मिशनों, मिशनरियों को भेजने आदि के बारे में बहुत चिंतित रहा है। अब 20वीं सदी में इंगीलवादी भी हैं।

और अगर आप किसी इंगील संप्रदाय का हिस्सा हैं, तो आपको पता होगा कि उस संप्रदाय के साथ, मिशनरी उद्यम एक बहुत बड़ी, बहुत महत्वपूर्ण चीज है। मुझे लगता है कि आप यह भी कह सकते हैं कि यह आज भी सच है। और यहाँ गॉर्डन कॉलेज में, शॉर्ट-टर्म मिशन, क्या आप में से कोई यहाँ गॉर्डन में शॉर्ट-टर्म मिशन प्रोग्राम में रहा है? तो, यहाँ गॉर्डन में भी, एक इंगील संस्था, शॉर्ट-टर्म मिशन प्रोग्राम आपको अमेरिकी क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में मिशनरी कार्य का स्वाद लेने में मदद करते हैं।

वैसे, तुम कहाँ गए थे, जेसी? मैं तो बस यही कहना चाहता था कि घर वापस जाना है। ठीक है। तुम डोमिनिकन रिपब्लिक, मिसिसिपी गए थे।

ठीक है। घरेलू मिशन। घरेलू मिशन के प्रचारकों ने बैठकर कहना शुरू किया कि, विदेशी मिशन तो ठीक है, लेकिन हमारे अपने घर में, हमारे अपने पिछवाड़े में क्या हो रहा है? शहर में और शहरी इलाकों में, उपनगरीय इलाकों में और कृषि क्षेत्रों में भी।

और होम मिशन वास्तव में, वास्तव में, वास्तव में इंगील समुदाय में महत्वपूर्ण हो गए। जेसी, क्या मैं आपसे पूछ सकता हूँ कि आपने मिसिसिपी में क्या किया? वहाँ मंत्रालय का फोकस क्या था? हम नीचे जाते हैं, हम एक मंत्रालय की सेवा करते हैं जो समुदाय के साथ जुड़ा हुआ है, और उनके पास एक बहुआयामी मंत्रालय है। ठीक है।

क्या यह शहर में था, या शहर या देश के बाहर यह ज़्यादा कृषि प्रधान था? सही। सही। सही।

ठीक है। लेकिन बहुत गरीबी है। हाँ।

और बहुत सारी ज़रूरतें, बहुत सारी ज़रूरतें, और इसी तरह की अन्य चीज़ें। और वह एक ख़ास चर्च समुदाय था जो आप थे... यह वास्तव में एक संगठन था। एक संगठन।

यह उस क्षेत्र में था। ठीक है। ओह, ठीक है।

ठीक है। ठीक है। हाँ।

और मुझे नहीं पता, ग्रांट, आपने क्या किया? मैं अब सिर्फ़ उत्सुक हूँ क्योंकि हमने इस बारे में थोड़ी बात की है, लेकिन आपने क्या किया? आपका मंत्रालय क्या था? ठीक है। ठीक है। ओह, ठीक है।

हाँ-हाँ... ठीक है... ठीक है...

ठीक है। और क्या यह शहरी क्षेत्र में था या शहर से बाहर गरीबी से ग्रस्त क्षेत्र में? शहर के ज़्यादातर हिस्से में। ठीक है।

हाँ. ठीक है. हाँ.

खैर, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि गॉर्डन जैसे इंजील समुदाय के पास इस तरह के मिशन होंगे क्योंकि होम मिशन, बिल्कुल होम मिशन नहीं, बल्कि मिसिसिपी में एक होम मिशन, इंजीलवादियों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। तो यह एक तीसरी तरह की चीज है। एक चौथी चीज, और शायद इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण, क्योंकि यह हमें एक तरह से धर्मशास्त्र में ले जाती है, लेकिन चर्च के सामने एक चौथी चीज, चर्च के सामने एक ताकत, जिसे मैं विश्वास का संकट कहता हूँ।

20वीं सदी के मध्य में, विश्वास का संकट था, और विश्वास का संकट उदारवाद के कारण आया। उदारवाद एक तरह से दिवालिया हो गया था, और चर्च और चर्च के संदेश और मंत्रालय में कोई भरोसा नहीं था। और इसलिए इंजीलवाद को उस विश्वास के संकट का सामना करना होगा जो लोगों को चर्च के बारे में है और लोगों से कहना है, हम आपको एक बहुत अच्छी तरह से विकसित मंत्रालय, अच्छी तरह से विकसित धर्मशास्त्र, महान उपदेश, और इसी तरह के अन्य चर्च प्रदान कर सकते हैं।

हम आपको वह चर्च जीवन दे सकते हैं जिसकी आप तलाश कर रहे हैं क्योंकि अब आपको विश्वास नहीं है कि चर्च वह दे सकता है। इसलिए, इंजीलवाद उदारवाद की प्रकृति के कारण उस तरह के विश्वास के संकट के बारे में बात करना चाहता था, जो अंततः दिवालिया हो गया। और मुझे एच. रिचर्ड नीबहर का वह उद्धरण याद है।

पाँचवाँ नंबर, आखिरकार, 20वीं सदी की ताकतें हैं जो चर्च का सामना कर रही हैं, जो अधिकार के नुकसान के कारण विश्वास का एक और संकट है। अधिकार के नुकसान के कारण विश्वास का संकट। चर्च ने सुसमाचार की खुशखबरी का प्रचार करने का अपना अधिकार खो दिया था क्योंकि अब वह सुसमाचार में विश्वास नहीं करता था।

यह अब सुसमाचार को नहीं मानता था। इसने बाइबिल के पाठ की इतनी आलोचना की थी कि अब इसके पास लोगों को उपदेश देने के लिए कुछ भी नहीं था। तो, अगर बाइबल नहीं है, तो अधिकार क्या है, अगर वह चर्च में आप जो कर रहे हैं उसके लिए आपका अधिकार नहीं है, तो आपका अधिकार क्या होगा? इंजीलवाद यह कहकर जवाब देता है कि हम जो कुछ भी करते हैं उसके लिए अधिकार बाइबल है।

और फिर, मैं पिछली रात सोला स्क्रिप्टुरा पर वापस जाता हूँ, और कैसे सोला स्क्रिप्टुरा दोनों हो सकता है; दोनों के सकारात्मक प्रभाव थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि इसके नकारात्मक प्रभाव भी थे। लेकिन सोला स्क्रिप्टुरा का सकारात्मक प्रभाव, मार्क नोल्स ने कल रात हमें बहुत अच्छी तरह से बताया, सकारात्मक प्रभाव बाइबल था, बाइबल का अधिकार, और बाइबल एक जीवित शब्द के रूप में लोगों को मसीह के पास लाता है और चर्च नामक समुदाय को आकार देता है।

इसलिए, चर्च में अधिकार के नुकसान के कारण आत्मविश्वास की इस कमी के साथ, इंजीलवाद इस पर बात करने में सक्षम था और कह सकता था कि हमारे पास एक ऐसा अधिकार है जो

आजमाया हुआ और परखा हुआ और सच्चा है, और यह शास्त्रों का अधिकार है जो हमें यह समझने में मदद करता है कि मसीह जीवित शब्द के रूप में कौन है, और इसलिए यह अधिकार है। इसलिए, इंजीलवाद अधिकार की भावना के साथ आता है जिसकी लोग तलाश कर रहे हैं। इसलिए चर्च का सामना करने वाली 20वीं सदी की ताकतों के बारे में कोई संदेह नहीं है, कि 20वीं सदी की उन ताकतों ने ही इंजीलवाद को आकार देने में मदद की है, मुझे लगता है।

अब, हाँ। विश्वास का पहला संकट इसलिए था क्योंकि उदारवाद दिवालिया हो गया था; उदारवाद दिवालिया हो गया था, इसलिए लोगों को अब चर्च पर कोई भरोसा नहीं था। उन्हें अब चर्च पर कोई भरोसा नहीं था क्योंकि यह एक ऐसी जगह है जहाँ वे घर जैसा महसूस कर सकते थे।

उदारवाद के पास उन्हें देने के लिए कुछ नहीं था। यह दिवालिया हो चुका था। इसके पास उन्हें प्रदान करने के लिए कुछ भी नहीं था।

तो इंजीलवाद एक तरह से उस अंतर को भरने जा रहा है और कहेगा, हमारे पास आपके जीवन को आकार देने के लिए कुछ है। ठीक है, अब मैं जो करना चाहता हूँ, वह यह है कि, जैसा कि मैंने कहा, 20वीं और 21वीं सदी के इंजीलवाद को आकार देने वाली ताकतें, लेकिन उनमें से कुछ ताकतें लोग हैं। इसलिए मुझे नहीं पता। शायद मुझे यहाँ बेहतर शब्द का उपयोग करने की आवश्यकता है।

तो, ठीक है, मैं शुरू में कुछ ऐसे लोगों को चुनने जा रहा हूँ जो 20वीं सदी के इंजीलवाद को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, कुछ लोग। मेरी सूची में सबसे ऊपर विलियम फ्रैंकलिन ग्राहम हैं, जिनका जन्म 1918 में हुआ था। अब, मुझे खेद है कि मुझे यह करना पड़ रहा है, लेकिन विलियम फ्रैंकलिन ग्राहम का जन्म 1918 में हुआ था।

तो, चलिए अब देखते हैं। तो, अब वे 95 वर्ष के हैं, अभी भी जीवित हैं, अभी सप्ताहांत में प्रचार किया है। तो, विलियम फ्रैंकलिन ग्राहम हैं।

अब, टेड और मुझे विलियम फ्रैंकलिन ग्राहम का इस तरह उपदेश देना याद होगा। आप लोग, बेशक, याद नहीं करेंगे, लेकिन हम टेलीविज़न चालू कर देते थे या बिली ग्राहम की रैली में चले जाते थे, और 50 और 60 के दशक में ऐसा ही होता था। तो, बिली ग्राहम अपने सुनहरे दिनों में उपदेश दे रहे थे।

अब, क्या आप में से कोई कभी बिली ग्राहम धर्मयुद्ध में गया है? शायद नहीं। कोई, कोई हाथ, बिली ग्राहम धर्मयुद्ध? नहीं, भगवान आपका भला करे। माफ़ करें।

तो, आप कल्पना नहीं कर सकते। यह बहुत, बहुत दिलचस्प था। लेकिन यह बिली ग्राहम के उपदेश की एक बहुत ही विशिष्ट तस्वीर है।

हालाँकि, बिली ग्राहम के रूप में, आप जानते हैं, जैसे-जैसे वह बड़े होते गए, यह बहुत दिलचस्प है कि वह आम जनता के लिए एक आइकन बन गए, चाहे आप ईसाई हों या नहीं। अमेरिका में

और कुछ हद तक पश्चिमी यूरोप में, बिली ग्राहम एक आइकन बन गए। बिली ग्राहम, आप जानते हैं, सभी समय के सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक बन गए।

मेरा मतलब है, उन्होंने सभी तरह के पुरस्कार जीते। और यह आपको इसका एक उदाहरण देता है। यहाँ टाइम मैगज़ीन है, और उनकी कवर स्टोरी बिली ग्राहम पर है, जो सर्दियों में एक ईसाई हैं, 75 वर्षीय बिली ग्राहम।

तो, यह 20 साल पहले की टाइम मैगज़ीन है। लेकिन यहाँ एक गैर-ईसाई, गैर-धार्मिक प्रकाशन है जो बिली ग्राहम को देख रहा है और बिली ग्राहम को व्यापक अमेरिकी जनता के लिए उनके योगदान के लिए श्रेय दे रहा है, न केवल ईसाई जीवन के लिए बल्कि सांस्कृतिक जीवन के लिए भी। तो निश्चित रूप से, शायद पहली ताकत जिसके बारे में मैं बात करना पसंद करूँगा वह बिली ग्राहम और वह सब कुछ जिसके लिए वह खड़ा है और वह सभी तरह के मायने रखता है, न केवल ईसाइयों के लिए और न केवल इंजीलवादियों के लिए, बल्कि जनता के लिए भी, आम जनता के लिए।

तो, मैं उसे चुनूँगा। दूसरा नाम जो मैं चुनूँगा वह है हेरोल्ड जॉन ओकेंगा का नाम। और यहाँ उनकी तारीखें हैं: 1905, 1985।

हेरोल्ड जॉन ओकेंगा। बहुत महत्वपूर्ण है, और हम कुछ कारण बताने जा रहे हैं, कुछ चीजें जो उन्होंने और दूसरों ने कीं। लेकिन मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूँ कि आप हेरोल्ड जॉन ओकेंगा को कैसे जानते हैं? जब मैं ओकेंगा का नाम लेता हूँ, तो आप उन्हें जानते हैं क्योंकि जब उनके पिता यहाँ थे, तब वे गॉर्डन कॉलेज के अध्यक्ष थे।

तो इस तरह से वह हेरोल्ड जॉन ओकेंगा को जानते हैं। वह हमारे राष्ट्रपतियों में से एक हैं। अब, हेरोल्ड जॉन ओकेंगा एक बहुत ही उल्लेखनीय व्यक्ति थे क्योंकि वह एक तरह से मिस्टर इवेंजेलिकल थे।

ओकेंगा के बारे में सारी बातें सूचीबद्ध करने जा रहे हैं, तो गॉर्डन कॉलेज के अध्यक्ष होने के अलावा, वह, उदाहरण के लिए, 33 वर्षों तक पार्क स्ट्रीट चर्च के पादरी थे। वह फुलर थियोलॉजिकल सेमिनरी के पहले अध्यक्ष थे। वह नेशनल एसोसिएशन ऑफ इवेंजेलिकल्स के संस्थापकों में से एक थे, जिसकी स्थापना 1942 में एक ऐसे समूह के रूप में की गई थी जो खुद को कट्टरपंथ से अलग करता था।

वे आज ईसाई धर्म के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने गॉर्डन और कॉनवेल के विलय की योजना बनाई और गॉर्डन-कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी का गठन किया, और फिर उस विलय के बाद वे गॉर्डन-कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी के अध्यक्ष बन गए। तो, मेरा मतलब है, आप किसी ऐसी चीज़ का नाम लें जो इंजीलवाद से जुड़ी हो, और जब तक उनकी मृत्यु नहीं हो जाती, हेरोल्ड जॉन ओकेंगा निस्संदेह उसका हिस्सा रहे होंगे।

ओकेंगा की दो निजी कहानियाँ बता सकता हूँ। पहली, एक छोटी सी कहानी, और फिर एक ऐसी कहानी जो मुझे ज़्यादा प्रभावित करती है। लेकिन जब 1985 में उनकी मृत्यु हुई, तो बिली ग्राहम हैमिल्टन कॉन्ग्रिगेशनल चर्च में उनका अंतिम संस्कार करने के लिए शहर आए।

तो, आप जानते हैं कि उस चर्च में जाने वाला ट्रैफ़िक वाकई बहुत ज़्यादा था। यह एक ऐसा दिन था जब उत्तरी तट पर हर जगह जाम लग गया था क्योंकि यह एक बड़ा दिन था। यह एक बड़ी घटना थी।

और उनके मित्र, बिली ग्राहम, जो, वैसे, संक्षेप में, यह हेरोल्ड जॉन ओकेंगा ही थे जिन्होंने बिली ग्राहम को पहली बार बोस्टन लाया और उनके मंत्रालय का समर्थन किया। बिली ग्राहम के इतने लोकप्रिय होने का एक कारण उनका बोस्टन अभियान था। और यह वास्तव में बहुत उल्लेखनीय था, हर रात हज़ारों लोग बिली ग्राहम को सुनने के लिए आते थे।

उन्हें धर्मयुद्ध और अन्य कामों को आगे बढ़ाना था। तो यहाँ एक बहुत ही उल्लेखनीय व्यक्ति थे, हेरोल्ड जॉन ओकेंगा। और व्यक्तिगत, व्यक्तिगत तरह की कहानी, क्या मेरे पास समय है? खैर, मैं इसे वैसे भी बताऊँगा।

आज शुक्रवार है। मैं पढ़ा रहा था। मार्व विल्सन ने मुझे 1970 में बैरिंगटन कॉलेज में पढ़ाने के लिए नियुक्त किया था।

अब, मार्व 71 में यहाँ आया था। तो, वह सात साल तक बैरिंगटन में रहा था, और फिर उसने मुझे काम पर रखा, और फिर एक साल बाद वह चला गया। लेकिन वह वैसे भी ऐसा करने की योजना बना रहा था।

मुझे उसे जाते देख कर दुख हुआ। लेकिन बैरिंगटन कॉलेज गॉर्डन कॉलेज को कड़ी टक्कर दे रहा था। हम रोड आइलैंड में हैं, प्रोविडेंस से सात मील पूर्व में।

हम छात्रों, विकासशील संकाय और अन्य बातों के मामले में गॉर्डन को कड़ी टक्कर दे रहे थे। वास्तव में, जब मैं बैरिंगटन गया था, मैं 1970 में वहाँ गया था, तब भी इस बारे में बातचीत चल रही थी, अब गंभीर नहीं, लेकिन 60 के दशक की शुरुआत में इस संभावना के बारे में बातचीत हुई थी कि हमें गॉर्डन कॉलेज को अपने नियंत्रण में लेना पड़ सकता है क्योंकि गॉर्डन कॉलेज काफी हद तक रस्सियों पर था। 60 के दशक में इसके कुछ बहुत ही कठिन दिन थे और आगे भी।

तो, बैरिंगटन बहुत मजबूत था, और शायद हमें गॉर्डन को अपने कब्जे में लेना होगा। शायद ऐसा ही होगा। ऐसा ही होगा, इसलिए हम सब रोड आइलैंड में समाप्त हो जाएंगे। तो, सब कुछ, और जब मैं वहाँ पहुंचा, तो यह बहुत मजबूत था।

लेकिन फिर क्या हुआ कि जब हेरोल्ड ओकेंगा राष्ट्रपति बनने के लिए गॉर्डन आए, तो सब कुछ बदल गया क्योंकि हर कोई उन्हें मिस्टर इवेंजेलिकल के नाम से जानता था। माता-पिता अपने बच्चों को गॉर्डन कॉलेज भेजना चाहते थे क्योंकि गॉर्डन को हेरोल्ड जॉन ओकेंगा चलाते हैं। और

हम वास्तव में छात्रों को खो रहे थे, छात्रों को खो रहे थे, छात्रों को खो रहे थे, और तराजू झुक रहा था।

और अंत में, 1985 में, हम गॉर्डन के साथ वास्तव में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते थे, इसलिए गॉर्डन ने 1985 में हमारा कार्यभार संभाला। और यही वह समय था जब विलय हुआ। फिर, हम पाँचों, पाँच संकाय सदस्यों और लगभग चार या पाँच स्टाफ सदस्यों को विलय के साथ लाया गया।

और क्या आप में से कोई फैरिन हॉल में रहता है? मुझे याद नहीं कि आप में से कोई फैरिन हॉल में रहता है या नहीं। और फैरिन हॉल का नाम उस राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया है जो 40 साल तक राष्ट्रपति रहे। वैसे, उनके पास यह नहीं था। मैं अपनी घड़ी देख रहा हूँ, लेकिन शायद मैं इसे भूल जाऊँगा।

उनके पास छात्रावास नहीं था। हम 130 छात्रों को लाने जा रहे थे, और वहाँ कोई छात्रावास नहीं था। हम क्या करने जा रहे हैं? खैर, उन्होंने कहा, हमें जो करना है वह छात्रावास बनाना है क्योंकि उन्होंने अक्टूबर 1984 में विलय की घोषणा की थी, और फिर विलय 85 के शरद सेमेस्टर में होने वाला था।

हम क्या करने जा रहे हैं? तो मैंने कहा, हमें सर्दियों के दौरान एक छात्रावास बनाना होगा। इसलिए उन्होंने साइट पर एक बड़ा सा बबल बनाया, और इस तरह, पूरी सर्दियों में, वे मौसम चाहे कैसा भी हो, छात्रावास बना सकते थे। जब तक हम 130 छात्रों को अपने साथ लेकर आए, तब तक छात्रावास बनकर तैयार हो चुका था।

यह तैयार था। हमें उस साल स्कूल थोड़ा बाद में शुरू करना था, लेकिन मैं कहूँगा कि 85 के मजदूर दिवस तक स्कूल उन सभी छात्रों को लाने के लिए तैयार था। तो यह एक और लंबी कहानी है।

मैं आपको बस कहानी सुनाता हूँ, फिर हम आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन वैसे भी, यह दिलचस्प है। मुझे यह आकर्षक लगता है।

हमने बुलबुले के साथ क्या किया? क्या कोई जानता है कि हमने बुलबुले के साथ क्या किया? हमने बुलबुले को लिया और इसे अपने हॉकी रिक पर रख दिया क्योंकि गॉर्डन कॉग में हमारी हॉकी टीम हुआ करती थी। क्या आप यह जानते हैं? मुझे यह पता है। मैंने बुलबुले को लिया और इसे हॉकी रिक पर रख दिया ताकि आपको गॉर्डन को हॉकी खेलते हुए देखने के लिए बाहर खड़े होकर ठंड से न जूझना पड़े।

आप बुलबुले के अंदर जा सकते थे, और बुलबुले को देखना अच्छा और बहुत गर्म था। फिर, बुलबुले के ऊपर एक बड़ा हिमपात आया। बुलबुला ढह गया।

उन्होंने बबल को हटा दिया, और अब कोई हॉकी टीम नहीं बची। इसलिए, हॉकी गॉर्डन में बाहर हो गई। मुझे नहीं पता कि यह उसके परिणामस्वरूप बाहर हुआ या वे इसके बारे में बात कर रहे थे।

मुझे पक्का पता नहीं है। लेकिन उसके बाद हॉकी नहीं खेली गई। तो यही हमारी यहाँ तक आने की कहानी है, शायद आप कह सकते हैं।

मैं कहूँगा कि वे 70 के दशक की शुरुआत में राष्ट्रपति थे। मुझे ठीक-ठीक याद नहीं है, लेकिन मैं कहूँगा कि 70 से लेकर शायद 74, या 75, या कुछ ऐसा ही। मुझे इस बारे में पक्का पता करने के लिए जांच करनी होगी, लेकिन यह मेरी याददाश्त है।

और तब मैं अभी भी बैरिंगटन में पढ़ा रहा था, बेशक, और फिर डिक ग्रॉस उनके बाद राष्ट्रपति बने, और मैं डिक ग्रॉस के शपथ ग्रहण समारोह में आया था। मुझे लगता है कि यह लगभग 75 साल की बात है, शायद कुछ ऐसा ही। तो यह कहानी है।

मुझे सेमिनरी में विलय में बहुत दिलचस्पी थी क्योंकि मेरा अल्मा मेटर फिलाडेल्फिया में टेम्पल यूनिवर्सिटी था। यहीं पर कॉनवेल सेमिनरी टेम्पल यूनिवर्सिटी के परिसर में थी। लेकिन गॉर्डन डिविनिटी स्कूल, जब तक हम यह कर रहे हैं, गॉर्डन डिविनिटी स्कूल कहाँ स्थित था? फ्रॉस्ट हॉल।

फ्रॉस्ट हॉल गॉर्डन डिविनिटी स्कूल था। जब विलय हुआ, गॉर्डन के पास सभी छात्र थे, लेकिन कॉनवेल के पास सारा पैसा था, और कोई छात्र नहीं था क्योंकि मैं विश्वविद्यालय में छात्र होने के कारण कॉनवेल की लाइब्रेरी में पढ़ने जाता था।

मैं वहाँ पढ़ने जाता था, और मैं वहाँ इसलिए पढ़ने जाता था क्योंकि वहाँ बहुत शांति थी। वहाँ कभी कोई नहीं होता था, और वहाँ कोई छात्र नहीं था, शायद ही कोई छात्र हो। इसलिए यह पढ़ाई के लिए एक अच्छी, शांत जगह थी। इसलिए, कॉनवेल के पास पैसा था, गॉर्डन के पास छात्र थे, विलय हुआ और हम चले गए।

तो खैर, मुझे नहीं पता, हम यहाँ हैं। आपका सप्ताहांत बहुत बढ़िया रहे।

यह डॉ. रोजर ग्रीन अपने चर्च इतिहास पाठ्यक्रम, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट में हैं। यह सत्र 23 है, फंडामेंटलिज्म टू इवेंजेलिकलिज्म।